BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL

PRINCIPAL BENCH, NEW DELHI

ORIGINAL APPLICATION NO. 163/2025

Shri Dinesh Goyal & Anr. ----Applicant

Versus

Ganesh Aggarwal and others. --- Respondents

REPLY ON BEHALF OF RESPONDENT No.13 i.e.
ARCHEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

MOST RESPECTFULLY SHOWETH:

I, Vinod Singh Rawat, working as Superintending Archaeologist having its office at Office of the Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Meerut Circle, 121/9, Shastri Nagar, Meerut-250004 do hereby solemnly affirm and state as under:

1. That I am currently working as Superintending Archaeologist, being conversant with the facts of the case on basis of the official records, I am competent and authorized to depose the present affidavit.

2. That I have read and understood the contents of the present Original Application and state that the fact stated herein are true and correct to my knowledge as derived from the official records.

BRIEF FACTS OF THE CASE

3. With due respect to this Hon'ble Tribunal that the Monument (Bilveshwar Nath Temple) in question is a protected monument of State Archaeology Department, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.

4. That the District Magistrate, Meerut constituted a local committee comprising members from different departments including Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Meerut Circle, Meerut. The said committee visited the temple under question and submitted a report to be filed before this Hon'ble Tribunal, New Delhi . The Said Report is annexed as Annexure-A.

5. That as the Monument i.e.Bilveshwar Nath Temple is protected by State Archaeology Department, Govt. of U.P., they are the necessary party and Archaeological Survey of India, Govt. of India has no role in the present matter.

6. That it is submitted that answering respondent name may be deleted from the array of parties.

NOTARY GOVT. OF INDIA

29/10/16

Deponent

Verification

Verified at Meerut on 29 Oct. 2025 that the contents of above affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing material has been concealed therefrom.

Deponent

NOTARY
Jagbir Singh
Advocate
Reg. No. 6021/2008
Valid Upto
02/06/2028
GOVT. OF INDIA

No....1....
Certified That Shri....Vinod Singh Rawat
Identified by Shri....Jagbir Singh Notary Adv.
Made this affidavit before me on...30/10/25
at...1:45 A.M./P.M.....

Notary Advocate, Meerut
30.10.2025

Annexure-A

माо राष्ट्रीय हरित अधिकरण में योजित ओ०ए० संख्या–163/2025 दिनेश गोयल एण्ड अदर्स बनाम गनेश अग्रवाल एण्ड अदर्स (आई०ए० संख्या–296/2025) में पारित आदेश दिनांक–22/04/2025 के संदर्भ में आख्या।

मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ०ए० संख्या–163/2025 दिनेश गोयल एण्ड अदर्स बनाम गनेश अग्रवाल एण्ड अदर्स में पारित आदेश दिनांक–22/04/2025 के मुख्य अंश निम्नानुसार है–

"1. In this Original Application (OA), the applicant pleads that an ancient well existed in a mandir named Shree Bilveshwar Nath Mahadev Mandir, which was situated at the back of Sadar Police Station, Meerut Cantt, Uttar Pradesh.

2. Further plea of the applicant is that property is a heritage property and well itself was 100 years old and a part of the heritage property.

3. The applicant alleges that the well is being filled up, and some of the respondents are attempting to encroach upon it and raise construction in that area. The applicant alleges that certain persons with criminal minds intend to make shops on the well and sell it for commercial gain.

4. The applicant has also alleged about open burning of garbage, causing air pollution. In support of such a plea, Learned Counsel for the applicant has referred to photograph on page no. 103 to show that well has been filled up and also photographs on page nos. 105, 106 and 107 in support of the plea of open burning of the garbage.

5. OA raises substantial issue relating to compliance of environmental norms.

6. Issue notice on OA and IA No. 296/2025 to the respondents for filing their responses/replies by way of affidavit at least one week before the next date of hearing through e-filing. If any respondent files the reply directly without routing it through their advocate, then that respondent must be present virtually to assist the Tribunal. The Applicant is directed to serve the respondents and file an affidavit of service at least one week before the next date of hearing.

7. List on 01.08.2025..."

Archaeological Survey of India, Meerut Circle, Meerut — Diary No. 903 Date: 29-10-25

उक्त आदेश के क्रम में जिलाधिकारी, मेरठ के कार्यालय आदेश संख्या–482/क्षे०प्र०कार्या०/2025 दिनांक–27/06/2025 के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही हेतु टीम/समिति का गठन किया गया है। (संलग्नक–1)

क्षेत्रीय कार्यालय स्तर से उक्त वाद में प्रदूषण संबंधित तथ्यों हेतु/पर्यावरणीय दृष्टिकोण से दिनांक–25/07/2025 को स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय श्री बिल्वेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पुजारी व प्रतिवादी संख्या–2 श्री हरीश चन्द्र जोशी उपस्थित थे। आख्या निम्नवत है–

कृ०प०उ०

NOTARY GOVT. OF INDIA

29/10/25

1 सदर्भित स्थल छावनी क्षेत्र मेरठ मे पुलिस थाना सदर, कैण्ट, मेरठ के समीप स्थित है।

2. सदर्भित परिसर मे श्री बिल्वेश्वर नाथ महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। परिसर में मुख्य रूप से उक्त प्राचीन महादेव मंदिर स्थापित है।

3. परिसर में महादेव मंदिर के अतिरिक्त श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर, श्री बालाजी मंदिर एवं श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय(संबद्व संपूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी) एवं छात्रावास स्थित है।

4. परिसर में स्थित मंदिर एवं भवन काफी पुराने हैं एवं कोई नया निर्माण नहीं किया गया है।

5. परिसर में 04 परिवार एवं लगभग 50 छात्र निवास करते हैं।

6. परिसर में जलापूर्ति पाइप लाइन द्वारा एवं परिसर में स्थित 03हैण्डपम्प के माध्यम से किया जाता है।

7. परिसर में पीछे की तरफ एक खंडहर में परिसर से जनित कूड़ा एकत्रित किया जाता है। समय समय पर छावनी परिषद के माध्यम से कूड़ा निस्तारण किया जाता है। उपस्थित प्रतिनिधि ने बताया कि पूर्व में सफाईकर्मी द्वारा कूड़ा जला दिया जाना संज्ञान में आने पर कूड़ा जलाने हेतु मना कर दिया गया है।

8. निरीक्षण के समय स्थल पर प्लास्टिक युक्त ठोस अपशिष्ट कुछ मात्रा में तथा सूखे फूल निस्तारित पाये गये। उक्त के अतिरिक्त गोबर भी डम्प किया गया पाया गया। परिसर में पशुपालन गतिविधि/गौशाला स्थित नहीं है। फोटोग्राफ निरीक्षण आख्या के साथ संलग्न हैं।

9. मंदिर परिसर के मुख्य द्वार के सन्निकट स्थित खुले भवन के अंदर कुआं स्थित होना बताया गया। वर्तमान में कुआं पूर्णतः भरकर समतल कर दिया गया है। कुंये के निशान व नहाने का प्लेटफार्म भवन में स्थित है।

10. पूर्व में शिकायत श्री पवन गर्ग प्रतिवादी संख्या–2 एवं श्री पवित्र गोयल,पारस गोयल प्रतिवादी संख्या–04 के शिकायती पत्र दिनांक–21/08/2023 के कम में अपर नगर मजिस्ट्रेट–प्रथम, मेरठ द्वारा किये गये जांच की आख्या मौके पर उपलब्ध करायी गयी जो कि संलग्न है। (संलग्नक–2) आख्यानुसार परिसर में गंदगी व अव्यवस्था तथा प्राचीन कुंये को बंद कराकर प्राचीन स्मृति को खत्म करने का प्रयास किया जाना पाया गया है।

11. निरीक्षण में परिसर में साफ सफाई की स्थिति सामान्य पायी गयी। जबकि एकत्रित कूड़े का नियमित निस्तारण नहीं किया जाना पाया गया। फोटोग्राफ संलग्न है।

12. कूड़े का नियमित निस्तारण तथा फूलों के निस्तारण बायोकम्पोस्टिंग की व्यवस्था सबंधित द्वारा कराया जाना उचित होगा।

13. आर्कियोलोजिकल सर्वे आफ इण्डिया के अनुसार मंदिर परिसर राज्य पुरातत्व विभाग के संरक्षण में होने के कारण उनके स्तर से कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

14. मेरठ विकास प्राधिकरण के अनुसार मंदिर परिसर छावनी क्षेत्र में स्थित है तथा राज्य पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है। प्राधिकरण के स्तर से कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

NOTARY
Jagbir Singh
Advocate
Valid Upto 03/06/2028
GOVT. OF INDIA

15. नगर निगम, मेरठ के अनुसार परिसर मेरठ छावनी परिषद के क्षेत्र में स्थित है। नगर निगम के क्षेत्र से बाहर होने के कारण कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।
16. उ0प्र0 जल निगम(नगरीय) के अनुसार परिसर मेरठ छावनी परिषद के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आता है। अतः उनके विभाग से कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि मंदिर परिसर प्राचीन एवं पुरातात्विक महत्व का है। परिसर का रखरखाव (मंदिर, कुआं आदि) प्रबंधन एवं साफ सफाई इत्यादि के संबंध में राज्य पुरातत्व विभाग,लखनऊ, उ0प्र0 के स्तर से आवश्यक कार्यवाही अथवा संबंधित को निर्देशित किया जाना उचित होगा।

आख्या अवलोकनार्थ सादर प्रस्तुत है।

क्षेत्रीय अधिकारी उ0प्र0प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मेरठ	अधिशासी अभियंता उ0प्र0जल निगम (नगरीय) मेरठ	अधीक्षण पुरातत्वविद आर्कियोलाजीकल सर्वे आफ इण्डिया, मेरठ	पुलिस अधिकारी मेरठ कैंट, मेरठ

26/7/25

अपर नगर मजिस्ट्रेट–प्रथम, मेरठ	अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, मेरठ	सचिव, मेरठ विकास प्राधिकरण, मेरठ

NOTARY
Jagbir Singh
Advocate
Reg. No. 6021/2008
Valid Upto
03/06/2028
GOVT. OF INDIA

निरीक्षण के समय लिये गये फोटोग्राफ्स

कूड़ा स्थल

कुएं का स्थल

कुएं की स्थिति

NOTARY
Jagbir Singh
Advocate
Reg. No. 6021/2008
Valid Upto
03/06/2028
GOVT. OF INDIA

10/15